1 श्रेष्ठगीत जो सुलैमान का है।

वधू

काश वह ओठों से मुझे चूमे।
तुम्हारा प्यार दाखमधु से ज़्यादा अच्छा है।
3 तुम्हारे इत्रों की खुशबू मन को जीत लेती है।
तुम्हारा नाम उण्डेले हुए इत्र की तरह है।
इसीलिए कुमारियाँ तुम को चाहती हैं।
4 मुझे अपने पीछे आने वाली बना लो
ताकि हम साथ -साथ दौडें।
राजा मुझे अपने कमरे में ले आया है।
हम तुम में खुश होंगे।

सहेलियाँ

दाखमधु से ज़्यादा हम तुम्हारे
प्यार की बड़ाई करेंगे।
इसलिए उचित ही है कि वे तुम को चाहती हैं

वधू

5 हे यरूशलेम के पुत्रियो मेरा रंग सांवला है
लेकिन मैं खूबसूरत हूँ।
मैं केदार के तम्बुओं और सुलैमान के
परदों की तरह हूँ।
6 टकटकी लगाकर मुझे मत ताको,
इसलिए कि मैं साँवली हूँ।
मैं सूरज की गर्मी से झुलस गई हूँ।
मेरी भाई मुझ से गुस्सा थे।
उन्होंने मुझे अंगूर के बगीचों का पहरेदार बना
दिया था।
लेकिन मैंने अपने बगीचे की देखरेख नहीं की।
7 हे मेरी जान से अधिक प्यारे मुझे बताओ कि
तुम अपनी भेड़ों को कहाँ चराते हो ?
तुम उन्हें दोपहर को कहाँ बैठाते है ?
मैं तुम्हारे साथियों की भेड़ों के पास
घूंघटवाली महिला की तरह क्यों भटकती
फिरूँ?

वर

8 नारियों में सर्वांग सुन्दरी, यदि तुम्हें ही
नहीं मालूम तो भेड़ों के खुरों के निशान पर
चलती चलो,
तुम चरवाहों के तम्बुओं के पास अपनी
बकरियों के बच्चे चराओ।
9 मेरी प्रियतमा, तुम मेरे लिए, फिरौन के रथों में
जुती हुई मेरी घोड़ी की तरह है।
10 तुम्हारे गाल जेवरात से और गला माला के
दानों की कतार से खूबसूरत दिखता है।
11 हम तुम्हारे लिए चाँदी के दानों वाले
सोने के गहने बनाएँगे।

वधू

12 जब राजा अपनी मेज़ के सामने बैठा था,
मेरी जटामांसी की खुशबू फैल रही थी।
13 मेरा प्रियतम, मेरे लिए गन्धरस की थैली की
तरह है,
जो रात भर मेरे स्तनों के बीच पड़ी रहती है।
14 मेरा प्रियतम मेरे लिए मेंहदी के फूलों के
गुच्छों के समान है, जो एनगदी के बगीचों में
खिला रहता है।

वर

15 मेरी प्रियतम तुम कितनी खूबसूरत हो,
तुम्हारी आँखें कबूतरी की तरह हैं।

वधू

16 तुम कितने सुन्दर हो, मेरे प्रियतम।
तुमने मेरे मन को मोह लिया है।
हमारा बिस्तर बहुत आरामदायक है।

वर

17 हमारे घरों की धरणे देवदार की

और छतों की बल्लियाँ सनौवर की हैं।
वधू

2 मै शारोन का गुलाब और घाटियों का सोसन हूँ।
वर
जिस तरह से सोसन का फूल काँटों के
बीच होता है,
वैसा ही मेरी प्रियतमा कुवांरियों के बीच है।
वधू
3 जिस तरह जंगल के पेड़ों के
बीच सेब का पेड़ होता है,
वैसे ही मेरा प्रियतम जवानों के बीच है।
उसकी छाया से मैं खुश हूँ और बैठ गई हूँ।
स्वाद में उसका फूल मेरे लिए मीठा है।
4 वह मुझे खाने के कमरे में ले आया है।
उसके प्यार का झन्डा मेरे ऊपर फहरा रहा है।
5 किशमिश की टिकियों से मुझे ज़िन्दा रखो
और सेबों से ताज़ा कर दो,
क्योंकि मुझे प्रेम का रोग है।
6 उसका बायाँ हाथ मेरे सिर के नीचे हो
और दायाँ हाथ देह को सहलाए।
7 हे यरूशलेम की पुत्रियो मैं चिकारियों
और हिरनियों की कसम खिलाकर कहता हूँ
कि जब तक प्रेम खुद न जागे,
उसे मौका मत देना, कि वह उसकाया जाए।
8 मुझे मेरे प्रेमी की आवाज सुनाई देती है।
देखो, वह पहाड़ों पर कूदता
और पहाड़ियों को फान्दता हुआ आता है।
9 मेरा प्रेमी चिकारे या जवान हिरन की तरह है।
देखो वह हमारी दीवार के पीछे खड़ा है।
वह खिड़कियों की तरफ़ टकटकी लगाए है।
और झंझरी में से देख रहा है।
10 मेरा प्रेमी मुझ से कह रहा है,
"हे मेरी प्रिय, हे मेरी सुन्दरी,
उठकर आ जाओ,
11 क्योंकि जाड़ा खतम हो रहा है,
बरसात भी अब नहीं होने वाली है।
12 अभी चारों ओर फूल दिख रहे हैं,
चिड़ियों का गाने का वक्त हो चुका है।
पिन्डक की आवाज भी सुनाई देने लगी है।
13 अंजीर पकने लगे है, अंगूर की लताओं में
फूल निकल रहे हैं, उनकी खुशबू आने लगी है।
हे मेरी प्रिय, मेरी सुन्दरी, तुरन्त आ जाओ।
वर
14 हे मेरी कबूतरी, पहाड़ की दरारों
और टीलों के कुन्ज में मुझे
अपना चेहरा दिखाओ और आवाज़ भी सुनने दो,
क्योंकि तुम्हारी बोली मीठी और चेहरा
खूबसूरत है।
15 ऐसी छोटी लोमड़ियाँ जो अंगूर के बाग को
बर्बाद करती हैं, उन्हें पकड़ लो,
क्योंकि बगीचे में फूल लगे हैं।
वधू
16 मेरा प्रेमी मेरा अपना है और मैं उसकी हूँ।
वह अपनी भेड़ बकरियों को सोसन के
फूलों के बीच चराता है।
17 जब तक दिन ठण्डा न हो और छाया लम्बी
होते-होते खतम न हो जाए, तब तक हे मेरे प्रेमी,
उस चिकारे का जवान हिरन की तरह बनो,
जो बेतेर के पहाड़ों पर पाया जाता है।

3 बीच रात मैंने अपने बिस्तर पर अपने प्रिय को
बहुत ढूँढा, लेकिन न पाया।
2 मैंने कहा, "मैं बाहर चौकों और सड़कों
पर उसे ढूँढ़ोगी।
मैंने ऐसा किया लेकिन नाकामयाब रही।
3 नगर के चारों ओर पहरा देने वालों से
मेरी मुलाकात हुई।
उनसे मेरा सवाल यह था कि क्या उन्होंने
मेरे प्राण-प्रिय को देखा है?
4 थोड़ा आगे ही बढ़ते ही मैंने उसे पा लिया ।
उससे मैं लिपट गई और उसे रोक लिया।
मैं उसे अपनी माँ के घर में ले आई
और उसी के कमरे में रखा।

5 हे यरूशलेम की बेटियो, मैं तुमसे चिकारियों
और मैंदान की हिरनियों की कसम
दिलाकर कहती हूँ।
जब तक प्यार खुद न उमड़े तब तक
तुम उसे मत जगाना।
6 गन्ध रस और लोबान की खुशबू वाला
धुएँ के खम्भे की तरह यह है क्या ?
यह व्यापारियों के सभी खुशबूदार द्रव्यों से
सजा हुआ जंगल में से आ रहा है?
7 यह तो सुलेमान की पालकी है।
इस्राएल के वीरों में से चुने हुए साठ ताकतवर
आदमी उसे घेरे हुए हैं।
8 हर आदमी की कमर में तलवार लटकी है।
खतरों के कारण वे सभी पहरा दे रहे हैं।
ये लोग बहुत योग्य योध्दा हैं।
9 राजा सुलेमान ने लबानोन के देवदार की
लकड़ी से अपने लिए पालकी बनवाई है।
10 उसके पाये उसने चांदी के बनवाए हैं,
और पीठ सोने की।
उसका आसन उसने बैंजनी कपड़े से बनवाया।
उसका अन्दर का हिस्सा यरूशलेम की
बेटियों ने बहुत खूबसूरती से सजाया है।
11 हे सिय्योन की बेटियों आगे बढ़ो,
और सुलेमान को देखो।
उसके सिर पर वही ताज है,
जिसे उसकी माँ ने उसके विवाह के
दिन पहनाया था।

वर

4 हे मेरी प्रियतमा, तुम कितनी खूबसूरत हो,
बेशक तुम बहुत सुन्दर हों
तुम्हारी आँखें दुपट्टे के अन्दर कबूतरी की तरह
हैं।
तुम्हारे बाल गिलाद पहाड़ से
उतर रही बकरियों के झुण्ड की तरह है।
2 तुम्हारे दाँत ऊन कतरी हुई उन भेड़ों के
झुण्ड की तरह हैं, जो नहा कर ऊपर आई हैं,
जिनमें से हर एक जुड़वा जन्म देती है
तथा उनके बच्चे ज़िन्दा रहते हैं।
3 तुम्हारे होंठ लाल धागे की तरह हैं,
तुम्हारा चेहरा देखने लायक है।
तुम्हारी कनपटियाँ दुपट्टे के पीछे
अनार की फाँको के समान है।
4 तुम्हारी गर्दन दाऊद की मीनार की तरह है,
जो पत्थरों के रद्दों से बनायी गई है।
उस पर हज़ार ढालें टंगी हैं
और सभी गोल ढालें बहादुर लोगों की हैं।
5 तुम्हारे दो स्तन हिरन के दो बच्चों की तरह हैं,
जो सोसनों के बीच चरते हुए चिकारिनी के
जुड़वा बच्चों की तरह हैं।
6 जब तक दिन में ठण्डक न आ जाए
और छाया लम्बी होकर खतम न हो जाए,
तब तक मैं अपने रास्ते में गन्धरस के
पहाड़ों पर और लोबान की
पहाड़ियों पर न जाऊँगा।
7 मेरी प्रियतमा, तुम बहुत खूबसूरत हो,
तुम्हारे में कोई कमी नहीं है।
8 मेरी दुल्हन, मेरे साथ लबानोन तक चलो।
अमाना की चोटी से शनीर और हर्मोन से सिंहों
की मांदों से,चीतों के पहाड़ों से देखो।
9 मेरी बहन, मेरी दुल्हन, तुम्हारे कारण मेरे
दिल की धड़कन बढ़ चुकी है।
अपनी एक नज़र से और गले की माला के
एक हीरे से मेरे मन को जीत लिया है।
10 मेरी बहन, मेरी दुल्हन तुम्हारा
प्यार कितना मीठा है।
वह दाखमधु से बहुत बढ़कर हैं
और तुम्हारे इत्रों की खुशबू तरह तरह के
खुशबूदार पदार्थों से कितनी ज़्यादा है।
11 मेरी दुल्हन तुम्हारे ओठों से शहद टपकता है,
तुम्हारी जीभ के नीचे शहद और दूध का स्वाद
है,
तुम्हारे कपड़ों की खुशबू लबानोन की सी है।

12 मेरी बहन हाँ, मेरी दुल्हन एक बन्द
फुलवारी की तरह है।
चट्टानों से ऊँचा हुआ बगीचा और बन्द
किया हुआ सोता है।
13 तुम्हारी नई शाखाएँ अनार के
बगीचे हैं उनमें बढ़िया से बढ़िया फल लगते हैं।
उनमें मेंहदी और जटामांसी के पौधे भी हैं।
14 हाँ जटामांसी और केसर मुश्क और दालचीनी,
लोबान के हर तरह के पेड़, गन्धरस,
अगर और हर तरह के सुगन्धित चीज़ों के पेड़ हैं।
15 तुम बगीचे के सोते हो, जीवन देने वाले कुएँ
और लबानोन से बहती हुई पानी की धार।
16 हे उत्तरी हवा, जागो और दक्षिणी हवा आओ।
मेरे बगीचे पर बहो,
ताकि उससे सौरभ बिखर जाए।
उसके मसालों का सौरभ दूर-दूर
तक फैल जाए।

वधू

मेरा प्रियतम मेरे बगीचे में आए
और जी भर कर फल खाए।

वर

5 हे मेरी बहन, मेरी दुल्हन मैं अपने बगीचे में आ
चुका हूँ।
मैंने अपना गन्धरस और बलसान इकट्ठा किया
है।
मैंने अपना शहद छत्ते के साथ खाना लिया है।
मैंने दाखमधु और दूध पी लिया है।
दोस्तो, खाओ।
हे प्रेमियो, जी भर कर पिओ।

वधू

2 हालाँकि मैं नींद में थी, लेकिन मेरा
मन जगा हुआ था। सुनो।
मेरा प्रियतम खटखटाकर कहता है,
"हे मेरी बहन, हे मेरी प्रिया, हे मेरी कबूतरी,
हे मेरी निर्मल, मेरे लिए दरवाज़ा खोलो,
क्योंकि मेरा सिर ओस से भीगा है।
और मेरी लटें रात में गिरी हुई बून्दों से भीगी
हैं।"
3 मैं अपने कपड़े उतर चुकी हूँ,
दोबारा मैं उसे कैसे पहनूँ?
मेरे पैर तो साफ है फिर से मैं उन्हें कैसे गन्दा
करूँ।
4 मेरे प्रेमी ने अपना हाथ दरवाजे के छेद में डाला,
तभी मेरा मन उसके लिए उमड़ पड़ा।
5 अपने प्रेमी के लिए मैं दरवाज़ा खोलने के
लिए जैसे ही उठी,
तभी मेरे हाथों से गन्धरस टपका और मेरी
अंगुलियों पर से टपकते हुए बेण्डे की मूठों पर
पड़ा।
6 अपने प्रेमी के लिए मैंने दरवाज़ा खोला
लेकिन वह मुँह फेर कर चला गया।
उसे मैंने ढूँढा, लेकिन पा न सकी।
उसे मैंने पुकारा भी, लेकिन कोई जवाब न
मिला।
7 नगर में घूमने वाले पहरेदार मुझे मिले।
उन्होंने मुझे मार कर ज़ख्मी कर डाला।
शहरपनाह के पहरूओं ने मेरी चद्दर मुझ से
छीन ली।
8 हे यरूशलेम की बेटियो, मैं तुम्हें शपथ दिलाकर
कहती हूँ यदि मेरा प्रेमी तुम्हें कहीं मिले,
तो उस से कहना कि मैं प्रेम में बीमार हूँ।

सहेलियाँ

9 महिलाओं में सबसे ज़्यादा खूबसूरत तुम्हारा
चाहने वाला दूसरे चाहने वालों से
किस बात में उत्तम है? हम से तुम क्यों ऐसी
कसम खिलवाती हो।

वधू

10 मेरा प्रेमी गोरा और लाल सा है,
वह दस हज़ार में उत्तम है।
11 उसका सिर चोखे सोने की तरह सुन्दर है,
उसकी लटकती हुई लटें कौवों की

तरह काली हैं।
12 उसकी आँखें उन कबूतरों की तरह हैं,
जो दूध में नहा कर नदी के किनारे अपने
झुण्ड में एक कतार से बैठे हुए हैं।
13 उसके गाल फूलों की फुलवारी
और बलसान की उभरी हुई क्यारियाँ हैं।
उसके होंठ सोसन फूल हैं, जिन से
पिघला हुआ गन्धरस टपकता है।
14 उसके हाथ सोने की छड़ें हैं जिन पर हरे मणि
जड़े हुए हैं
उसकी देह पर मानो हाथी दाँत का काम है।
15 उसके पाँव कुन्दन पर बैठाए हुए
संगमरमर के खम्भे हैं।
वह लबानोन और खूबसूरती में
देवदार के पेड़ों की तरह सुहावना है।
16 उसकी आवाज़ बहुत मीठी है,
हाँ वह बहुत मधुर है।
हे यरूशलेम की बेटियो, यही मेरा प्रेमी
और मेरा दोस्त है।

सहेलियाँ

6 हे महिलाओं में सबसे ज़्यादा खूबसूरत सुन्दरी,
कहाँ गया तुम्हारा प्रेमी कि हम तुम्हारे
संग उसे ढूँढने निकलें?

वधू

2 मेरा प्रेमी अपने बगीचे में अर्थात
बलसान क्यारियों की ओर गया है,
ताकि अपनी भेड़-बकरी चराए और
सोसन के फूल इकट्ठा करे।
3 मैं अपने प्रेमी की हूँ और वह मेरा है।
वह भेड़ बकरियाँ सोसन फूलों के
बीच चराया करता है।

वर

4 हे मेरी प्रिय, तुम तिर्सा की तरह खूबसूरत हो।
तुम यरूशलेम के समान रूपवान हो
और झण्डा फहराती हुई फौज की तरह
भयंकर।
5 मेरी ओर से अपनी आँखो को हटा लो,
क्योंकि उन से मुझ में घबराहट पैदा हो जाती
है।
तुम्हारे बाल ऐसी बकरियों के झुण्ड की तरह हैं,
जो गिलाद की ढलान पर लेटी हुई दिखते हैं।
6 तुम्हारे दाँत ऐसी भेड़ों के झुण्ड की तरह हैं,
जिन्हे नहलाया गया हो,
उनमें से हर एक जुड़वा बच्चे देती है और
उनमें से किसी का साथी मरा नहीं।
7 तुम्हारे गाल तुम्हारी लटों के नीचे अनार की
फाँक सी दिखाई देती हैं।
8 वहाँ साठ रानियाँ और अस्सी रखेलियाँ
और अनगिनित कुवांरियाँ भी हैं।
9 लेकिन मेरी कबूतरी मेरी निर्मल अनोखी है।
वह अपनी माता की एकलौते और दुलारी है।
बेटियों ने उसे देखा और सराहा।
रानियों और रखेलियों ने उसकी बड़ाई की।
10 यह कौन है जिसकी खूबसूरती सुबह की तरह
है,
जो सुन्दरता में चाँद और निर्मलता में सूरज
और झण्डा फहराती हुई फौज की तरह
भयंकर दिखती है?

वधू

11 मैं अखरोट के बगीचे में उतर गई,
ताकि घाटी के फूल देख पाऊँ
और यह भी कि अंगूर और अनारों में
फूल खिलें है या नहीं ?
12 मुझे मालूम नहीं था कि मेरी कल्पना ने
मुझे अपने राजकुमार के रथ पर चढ़ा दिया है।

सहेलियाँ

13 हे शूलेमिन को इस तरह देखोगे,
जैसा महनैम के नाच को देखते हैं?

वर

7 हे अमीर की बेटी, तुम्हारे पाँव की चाल कितनी
खूबसूरत है!
तुम्हारी जाँघो की गोलाई ऐसे गहनों की तरह है,
जिसे किसी अनुभवी कारीगर ने बनाया हो।
2 तुम्हारी नाभि गोल कटोरा है।
वह मसाला मिले हुए दाखमधु से हमेशा भरपूर
रहता है।
तुम्हारा पेट गेहूँ के ढेर की तरह है,
जिसके चारों ओर मानो सोसन फूल हों।
3 तुम्हारी दोनों छातियाँ मृगनी के
दो जुड़वे बच्चों की तरह हैं।
4 तुम्हारा गला हाथी दाँत की मीनार है।
तुम्हारी आँखें हेशबोन के उन कुन्डों की
तरह हैं, जो बेत रब्बीम के फाटक के पास हैं।
तुम्हारी नाक लबानोन की मीनार की तरह है,
जिसका मुँह दमिश्क की दिशा में है।
5 तुम्हारा सिर तुम पर कर्मेल की तरह सजा हुआ
है,
तुम्हारे सिर की लटें, बैजनी रंग के
कपड़े की तरह हैं।
राजा उन लटाओं में फंस चुका है।
6 हे प्रिय और मन को अच्छी लगने
वाली कुमारी, तुम कैसी सुन्दरी
और मन को अच्छी लगने वाली हो।
7 तुम्हारा कद खजूर की तरह शानदार है
और तुम्हारी छातियाँ अंगूर के गुच्छों की तरह
हैं।
8 मैंने कहा, “मै इस खजूर पर चढ़कर उसकी
डालियों को पकडूँगा”
तुम्हारी छातियाँ अंगूर के गुच्छे हों,
और तुम्हारी साँस की गन्ध सेबों की तरह हो।
9 तुम्हारे चुम्बन बढ़िया दाखमधु की तरह हैं।
यह आसानी से ओठों पर धीरे-धीरे बह जाता है।
10 मैं अपने प्रेमी की हूँ और उसकी चाह मेरी
ओर हर दिन बनी रहती है।
11 हे मेरे प्रेमी आओ, हम खेतों में
निकल जाएँ और गाँव में रहें।
12 तब सुबह उठकर अंगूर के बगीचों में जाएँगे।
वहाँ देखेंगे अंगूर की बेल में कलियाँ लगीं है
कि नहीं ।
यह भी कि अंगूर की लता में फूल खिले हैं या
नहीं,
मैं अपना प्यार तुम्हें वहीं दिखाऊँगी।
13 दोदाफलों से खूशबू आ रही है।
हमारे दरवाज़ों पर हर तरह के बढ़िया फल हैं,
नए पुराने भी, जो हे प्रेमी,
मैंने तुम्हारे लिए इकट्ठे किये हैं।

8 अच्छा होता कि तुम मेरे
भाई की तरह होते,
जिसने मेरी माँ की छातियों से
दूध पिया।
तब मैंने तुम्हें बाहर देखकर चुम्बन
किया होता।
तब किसी को इससे कोई आपत्ति
नहीं हुई होती।
2 मैं तुम्हें अपनी माँ के
घर ले गई होती वह तुम्हें सिखाती,
और मैं तुम्हें मसाला मिला हुआ दाखमधु,
और अपने अनारों का रस पिलाती।
3 काश, उसका बांया हाथ
मेरे सिर के नीचे होता,
और अपने दाहिने हाथ से
वह आलिंगन करता।
4 हे यरुशलेम की बेटियाँ,
मैं तुम से कसम खिलवाती हूँ कि
तुम मेरे प्रेमी को उस
समय तक मत जगाना,
जब तक वह खुद न उठे।
5 यह कौन है जो अपने प्रेमी पर
टेक लगाए हुए जंगल से चली आ रही है?
सेब के पेड़ के नीचे मैंने तुम्हें जगाया,

वहाँ तुम्हारी माता ने तुम्हें जन्म दिया।
वहाँ तुम्हारी माँ को दर्द हुआ।
6 मुझे नगीने की तरह
अपने मन पर लगा रखो,
और ताबीज़ की तरह अपनी
बाँट पर रखो,
क्योंकि प्रेम मौत की तरह
ताकतवर है,
और ईर्षा कब्र की तरह क्रूर है
उसकी लपटें आग की दमक है
वरन परमेश्वर ही की आग है।
7 पानी की बाढ़ से भी
प्यार नहीं खतम होता,
और न महानदों से डूब सकता है।
यदि कोई अपने घर की सारी दौलत प्रेम के
बदले दे दी। तौभी वह बहुत
तुच्छ ठहरेगी।
8 हमारी एक छोटी बहिन है,
जिसकी छातियाँ अभी उभरी नहीं है।
जिस दिन हमारी बहन के
विवाह की बात लगे;
उस दिन हम उसके लिए क्या करें?
9 यदि वह शहरपनाह हो तो
हम उस पर चान्दी का कंगूरा बनाएँगे।
यदि वह फाटक का दरवाज़ा हो,
तो हम उस पर देवदार की
लकड़ी के पटरे लगाएँगे।
10 मैं शहरपनाह की और मेरी
छातियाँ उसके गुम्मट,
तब मैं अपने प्रेमी की निगाह में
शान्ति लाने वाले की तरह थी।
11 बाल्हामोन में सुलैमान का
एक अंगूर का बगीचा था।
उसने उसे रखवाले को सौंप दी।
हर एक रखवाले को उसके
फलों के लिए चान्दी के हज़ार-हज़ार
टुकड़े देने थे।
12 मेरा अपना अंगूर का बगीचा
मेरे लिए ही है, हे सुलैमान,
हज़ार तुमको और फल के
रखवालों को दो सौ मिले।
13 तुम जो बगीचों में रहती हो,
मेरे दोस्त तुम्हारी आवाज़ सुनना चाहते हैं,
उसे मुझे भी सुनने दे।
14 हे मेरे प्रेमी, जल्दी करो,
और खुशबूदार पदार्थों के पहाड़ों पर
चिकारे और जवान हिरन की
तरह बन जाओ।

DUSTY SANDALS
All Rights Reserved. www.dustysandals.com